

# राजपत्न, हिमाचल प्रदेश

# (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 16 मार्च, 1989/25 फाल्गुन, 1910

### हिमाचल प्रदेश सरकार

पर्यटन विभाग

**अधिसूचनाएँ** 

शिमला-171002, 10 मार्च, 1989

संख्या 6-37/88-पर्यटन (सचि).—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजनार्थ नामतः महाल (जुगेहड़, मौजा बण्डी) तहसील व जिला कांगड़ा में हवाई पतन (एयरपोर्ट) गगल के निर्माण हेतु भूमि ली जानी श्रत्यावश्यक श्रपेक्षित है। श्रतएवः एतद्द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उक्त प्रयोजन के लिये श्रपेक्षित है।

यह घोषणा भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों को सूचना हेतु की जाती है और उक्त अधिनयम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक) एवम् भू-अर्जन समाहर्ता, कांगड़ा को उक्त भूमि के अर्जन करने के आदेश लेने का एतद्द्वारा निर्देश दिया जाता है।

इसके अतिरिक्त, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते है हुए हिमाचल प्रदेश क राज्यपाल यह निर्देश देते हैं कि अत्यावश्यक मामला होने के कारण उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक) एवम् भू-ग्रर्जन समाहर्ता, कांगड़ा उक्त प्रधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के ग्रधीन सूचना के प्रकाशन से 15 दिन की ग्रविध समाप्त होने पर पंचाट देने से पूर्व भूमि पर कब्जा ले सकता है।

भूमि का रेखांक, उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक) एवम् भू-श्रर्जन समाहर्ता, कांगड़ा के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

जिलाः कांगड़ा :		तहसीलः	–कांगः	ड़ा:						·	
महाल	 खसरा नं0	 ਲੇਕਾ	जल हक	 टेयरों		1		2 .	3	<b>74</b>	5,*
महारा	4/////	टेर	र में	- 1 (1				96	0	08	09
1	2		3					97	0	07	15
								8911	0	03	5 <b>3</b>
जुगेहड़, मौजा								544199	0	01	98
वण्डी	464/3/1	0	07	24				54519911	0	00	75
	465/3/1	0	20	32				100	0	02	78
	467/3/1	0	03	14				101	0	00	40
	513/489/1	0	03	99		8		102	0	07	67
	514/489/1	0	09	98				10311	0	09	75
	4/1	0	82	77				10411	0	10	23
	4/2	0	01	44				11411	0	01	92
	519/51	4	96	17				546111511	0	01	66
	80	0	07	48				12011	0	00	49
	81	0	06	51				12112	0	00	10 •
	82	0	19	52				12212	0	02	38
	83	0	06	30				12412	0	02	13
	84	0	06	08				125	0	19	13
	85	0	04	72				126	0	24	46
	86	0	05 -	24				127	0	05_	<b>√95</b> ∜
	87	0	03	71				128	0	02	08
	530/90	0	03	45	۹.			12811	0	02	38
	531/90/1	0	02	41	V			12812	0	02	20
× * •	532/91	. 0 .	01	20				552112911	0	4.0	95
	533/91/1	0.	05	. 47				552112912	0	34	71
	534/92	. 0	01	60				5531129	0	04	74
	535/92	. 0	12	61				5541130	0	0.2	18
	536/92	0	11	40			(4)	5561130	0	01	49
	537/93	0	03	06				5581130	0	02	94
	538/93	. 0	.0,3	08				131	0	02	28
	539/93	. 0	03	04	*			132	0	05	92
	540/93	0	03	10				13311	0	09.	
	541/93	0	03	08			•	13312	Ò	05	44
	542/95	0	12	62				134	n	0.5	79
	543/95	0	10	19			• • •	135	0	02	64
	77	0	06	50		*		136	0	03	24
<del></del>	<del></del>	<del></del>			<del></del>				Ţ.		
					,					1.70	185

							6,			
1		2		• 3		1	2		3	
e e e e e e e e e e e e e e e e e e e	137	1.45 · 1.	0	16	 19		159	0	20	82
ga · ·	138		0	03	93		160	0	10	50
· ¿	139		0	02	50		161	0	04	96
. E	140		0	01	08		163	0	01	35
_	141		0	26	24		164	0	01	71
T	142		0	03	75	THE .	16511	. 0	03	58
., 1,	143		0	01	45		166	0	00	58
	144		0	06	32		167	o`	05	18
	145		0	01	58	,	16911	0	03	30
	146		0	03	42		17011	0	02	62
1. 4	147		0	05	50		55711711	0	04	22
	148		0	03	94		17211	0	00	48
	149		0	02	04		17311	0	01	22
•	150		0	03	64		17512	0	04	75
	151		0	06	61	50	17611	0	00	22
	152		0	04	99		17712	0	00	48
	153		0	02	16	li.	17812	0	06	39
	154		0	06	79		17912	0	03	08
	155		0	22	54		21412	0	02	84
* * .	156	100	0	00	56					
[4] F	157		0	01	19	कुल कित्त	Π 107	12	19	9 13
	100 25 THE SECTION	791								

#### शिमला-171002, 10 मार्च, 1989

संख्या 6-37/88—पर्यटन (सचि):—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजनार्थ नामतः महाल रिच्छ्यालू, मौजा वण्डी, तहसील व जिला कांगड़ा में हवाई पतन (एयरपोर्ट) गगल के निर्माण हेतु भूमि ली जानी ग्रतिग्रावश्यक ग्रमक्षित है। ग्रतएव एतद्द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है। उक्त प्रयोजन क लिये अपेक्षित है।

07

83

158

यह घोषणा, भूमि स्रर्जन स्रधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के स्रधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों की सूचना हेतु की जाती है स्रौर उक्त स्रधिनियम की धारा 7 क उपबन्धों के स्रधीन उप-मण्डल स्रधिकारी (नागरिक) एवम् भू-स्रर्जन समाहर्ता, कांगड़ा को उक्त भूमि का स्रर्जन करने के स्रादेश लेने का एतद्द्वारा निर्देश दिया जाता है।

इसके स्रतिरिक्त उक्त स्रधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल यह निर्देश देते हैं कि स्रतिग्रावश्यक मामला होने क कारण उप-मण्डल स्रधिकारी (नागरिक) एवम् भू-म्रर्जन समाहर्ता, कांगड़ा उक्त स्रधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के स्रधीन सूचना के प्रकाशन के 15 दिन की स्रविध समाप्त होने पर पंचाट देने से पूर्व, भूमि पर कब्जा ले सकता है।

भूमि का रेखांक उप-मण्डल ग्रधिकारी (नागरिक) एवं भू-म्रजन तनाहर्ता, कांगड़ा के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है ।

		विवरणी			1		2	ž	-	3	.i.:
जिलाः कांगड़ा		तहसील	∵ क	ांगड़ा	,		789		0	03	61
-							790		0	01	80
महाल	खसरा नं 0	क्षेत्रफल		परों में			791		0	00	27
1	2		3				79211		0	61	89
			~ <del>,~~</del>				79311		0	18	83
रिच्छयालू, मौजा	73812	0	00	22			950		0	21	02
वण्डी ।	74312	0	05	3 4			951		0	07	00
	74411	0	19	91			952		0	07	04
	75411	0	00	41			953		0	16	32
	748	0	37	71			954		0	00	46
•	75111	0	26	42			955		0	00	23
	76011	0	04	04			956		0	00	36
	76111	0	04	25	8.		957		0	00	30
	762	0	02	07			958		0	00	64
	763	0	06	08			960		0	87	08
	764	0	06	36			961		0	00	76
	765	0	03	11			962		0	03	92
	766	. 0	02	72			963		0	04	68
	767	0	00	80			96411		0	07	51
	768	0	06	81			96511		0	14	51
	769	0	08	56			966		0	0.0	72
	770	0	12	90			967		0	. 00	38
	771	0	06	93			96811		0	01	08
	772	0	01	52			97011		0	00	138
19	773	0	02	78			97811		0	00	70
	774	. 0	02	16	1 1	3	97911		0	01	15
+ x	775	0	1.3	62			98011		0	0.0	12
7	776	0	0.0	52			105111		0	01	56
	777	0	03	45			105211		0	0.0	5.0
	778	0	05	41			105311		0	01	21
	779	0	05	60			105412		1	33	22
	780	0	14	82	1.		1055		0	31	13
	781	. 0	13	01			1056		0	17	. 23
	782	0	08	21			105711		0	14	43
	783	0	16	23			106011	*	0	03	98
8	784	0	14	74			106211		0	1.2	10
	786	0	02	21			106811	20	0		59
	78712	1	57	06				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			
a	788	ō	01	44	कुल किता		71	,	8,	48	36

#### शिभला-2, 10 मार्च, 1989

संख्या 6-37/88-पर्यटन (सचि 0).—यत: हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजनार्थ नामतः महाल सनौरा, मौजा ढुिंग्यारी, तहसील व जिला कांगड़ा में हवाई पतन (एयरपोर्ट) गगल के निर्माण हेतु भूमि ली जानी श्रत्यावश्यक श्रपेक्षित है। श्रतएव एतद्द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उक्त प्रयोजन अके लिए क्ट्रीम का श्रजन श्रपेक्षित है।

यह घोषणा भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन इससे सम्बन्धित सभी ध्यक्तियों की सूचना होतु की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक) एवं भू-अर्जन समाहर्ता, कांगड़ा को उक्त भूमि को अर्जन करने के आदेश लेने का एतद्दारा निर्देश दिया जाता ।

इसके ग्रतिरिक्त, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल यह निदश देते हैं कि ग्रत्यावश्यक मामला होने के कारण उप-मण्डल ग्रिधिकारी (नागरिक) एवं भू-ग्रजन समाहर्ता, कांगड़ा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के ग्रधीन सूचना के प्रकाशन से 15 दिन की ग्रविध समाप्त होने पर पंचाट देने से पूर्व, भूमि का कब्जा ले सकता है।

भूमि का रेखांक उप-मण्डल श्रधिकारी (नागरिक) एवं भू-ग्रर्जन समाहर्ता, कांगड़ा के कार्यलय में निरीक्षण किया जा सकता है।

ज़िला : कांग	ाडा	तहसील	: कांगः	् डाः –	1.	2		3	
Andrea on the Military of the	<u></u>					450	0	00	1
महास	खसरा नं0	क्षेत्रफल	हैक्टेय	रों में		451	, 0	0.0	2
1 -	. 2	e	3			452	0	00	6
			,,			453	0	01	47
सनौरा	434/1	0	02;	92		822/454	0	02	4
	435	· <b>0</b>	$0 \cdot 0$	52		823/454	0	02	4
	436	0	00	32		455/1	0	06	9
	437	0	00	62		456/1	0	08	3
	438/1	0	00	54		457	0	00	55
	439/1	0	00	04		458	0	00	35
	440	0	00	80		459	0	00	20
	441	0	0.0	, 15	8	460	0	00	5 1
	442	0	02	35		461	0	0.0	66
	443	0	01	01		462	0	00	42
	444	0	01	88		463	0	01	40
100	445	0	<b>02</b> ,	86		464	0	00	50
	446	0	02	41		465	0	00	66
	447	0	00	66		4.69/1	0	0.0	1 2
·	448	0	00	39		470/1	0	0.5	57
	449	0	00	28 •		471	0	01	26

1	2		3	1	1. 1		2				3	
	472	0	00	30	The same of the sa	-	511			0	·×0 1	7
	473	0	01	60	* + *		512			0	: 02	6
	474	0	03	39			513	w.Y		0	0.0	4
	475/1	0	03	09	ì	Ε	514	4		0	01	2
	485	0	07	25			515	y S	5	0	90	0
	488/1	0	16	16			516			0	01	9
•	489	0	01	94	. 1		517	10			02	8
	490	0	21	16			518			0	03	8
	491	0	00	80			519		9	0	.04	
	492	0	22	78			520			0	02	8
	493	0	01	32			521			0		<b>, 2</b>
	494	0	10	39			522		2.5	0	01	6
	824/495	0	07	73			523			0	04	1
	825/494	0	11	41			524			0	03	7
	496	0	00	48			525			0	01	2
	497	0	00	39	•		526			0	02	2
	498	0	13	33			528		V.,	0	00	4
	499	0	14	77			529	• • •		0	41	. 0
	501	0	01	20			533			0	01	0
	502	0	0.0	35			558/1			0	00	3
	503	0	00	50			559/1			0	00	0
i	504	0	00	16	4 81	6 0	580/1			0	00	5
	505	0	01	02			583/1			0	00	
	507	0	01	47			586/1	2.70	4)	0	04	2
	508	0	02	06	~ * · · · ·	. •	587/1			0	00 00	4
	509	0	01	90			584/1		8-18-18-pm	0	UU	0
	510	0	01	05	कुल	कित्ता.	. 89			2	86	4

## शिमला-2, 10 मार्च, 1989

संख्या 6-37/88-पर्यटन (सचि 0) — यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है ि हिमावत प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजनार्थ नामतः महाल भेड़ी, मौजा वण्डो, तहनीत व जिता कांगड़ा में हवाई पतन (एयरपोर्ट) गगल के निर्माण हेतु भूमि ली जानी स्रतिस्रावश्यक स्रपक्षित है। स्रतएव एतद्द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए स्रपेक्षित है।

यह घोषणा, भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा के उपबन्धों के अधीन इस से सम्बन्धित सभी व्यक्तियों को सूचना हेतु की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन उर मण्डन, अधिकारी (नागरिक) एवं भू-अर्जन समाहर्ता, कांगड़ा को उक्त भूमि को अर्जन करने के आदेश लेने का एइज् द्वारा निर्देश दिया जाता है। इसके अतिरिवत, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल यह निदश देते हैं कि अतिआवश्यक मामला होने के कारण उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक) एवं भू-अर्जन समाहर्ता, कांगड़ा उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के अधीन सूचना के प्रकाशन से 15 दिन की अवधी समाप्त होने पर पंचाट देने से पूर्व भूमि पर कब्जा ले सकता है।

भूमि का रेखांक उप-मण्डल ग्रधिकारी (नागरिक) एवं भू-ग्रर्जन समाहर्ता, कांगड़ा के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

्र जिला <sup>ण</sup> ः कांगड़ा		तहसील: कांगड़ा				
महाल	खसरा नं 0	क्षेत्रफल हैक्टयरों में				
भेड़ी, मौजा वण्डी	13/1	0 07 11				
•	54/1	0 00 42				
	55/1	0 10 56				
	56/1	0 09 03				
٤	57/1	0 04 22				
	66/1	0 01 36				
	कूल किता 6	0 32 70				

श्रादेश द्वारा, ए० एन० विद्यार्थी, वितायुक्त एवं सचिव।